राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर

Certificate In Performing art (C.P.A.)

KATHAK- Session- 2024-25

NO	SUBJECT	MAX	MIN	TOTAL
1-	DANCE KATHAK Theory -I (History & development of Indian dance)	100	33	100
2	PRACTICAL-I Demonstration and Viva	100	33	100
	GRAND TOTAL	200	66	**200**

Certificate In Performing art (C.P.A.)

विषय–कथकनृत्य

(History & development of Indian dance)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक:100**

1. संगीत में नृत्य का स्थान एवं नृत्य कला सीखने से लाभ।
2. कथक नृत्य के गुरु एवं कलाकारों की जानकारी।
3. निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान–
   सम, आवर्तन, थाट, आमद, तोडा या टुकडा,परन,हस्तक, कवित्त, गुरुवंदना ।
4. ताल की व्याख्या एवं तीनताल, दादरा, कहरवा व रुपक, तालों की जानकारी।
5. लय की परिभाषा एवं उसके प्रकार।
6. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं का (1–16) तक श्लोक सहित ज्ञान।
7. मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध लोक नृत्यों की जानकारी।
8. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवाभेदों की जानकारी।

प्रायोगिक **पूर्णक : 100**

1. नृत्य के आरंभ में भूमि प्रणाम एवं गुरु वंदना।
2. तीन ताल में प्रारंभिक हस्तक–ठाह, दुगुन, लय में करने का अभ्यास।
3. तीन ताल में थाट,आमद, पाँच तोडों, एक चक्करदार तोडा, परन, कवित्त, दो गतनिकास (मटकी एवं मुरली), एक गतभाव (पनघट) तथा तत्कार के प्रकार।
4. तीन ताल,दादरा,कहरवा, तालों को मौखिक रुप से हाथ से ठाह , दुगुन , चौगुन ताल देने की क्षमता।
5. आचार्य नन्दिकेश्वर द्वारा रचित ' अभिनयदर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्तमुद्राओं का मौखिक रुप से प्रायोगिक प्रदर्शन।

संदर्भित पुस्तकें–

1 नटवरी नृत्य माला (गुरु विक्रम सिंह)
2 कथक नृत्य शिक्षा, प्रथमभाग (डॉ.पुरु दाधीच)
3 कथकनृत्य (श्री लक्ष्मीनारायण शर्मा)
4 कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)
5 कथकनृत्य का मंदिरों से संबंध ''जयपुर घरान के विशेष संदर्भ में'' (डॉ. अंजनाझा)
6 कथक दर्पण / कथक ज्ञानेश्वरी (पं.तीरथराम आजाद जी)

आवश्यक निर्देश :–आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

(1) कक्षा में सीखे गये तोड़े–टुकडे, बंदिश आदि का लिपीबद्ध विवरण/ नोटेशन

(2) विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय एवं नगर में आयोजित नृत्य कार्यक्रमों की रिपोर्ट ।

इन फाईल्स का मूल्यांकन आन्तरिक परीक्षक को विद्यार्थियों की फाईल्स की ग्रेडिंग(श्रेणी) करके बाह्यपरीक्षक के साथ प्रस्तुत करना होगा तथा छात्र/छात्राओं की उपस्थिति विवरण भी प्रस्तुत करना होगा। जिसके आधार पर बाह्य परीक्षक द्वारा अंतिम अंकमूल्यांकन किया जावेगा।जिस पर आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक, दोनो के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे।